एक दर्जन ट्रेनें रद्द, यात्रियों को हुई परेशानी

- आसनसोल मंडल पर आंशिक, आद्रा मंडल में व्यापक असर
- 15 आंदोलनकारियों के खिलाफ रेलवे ने दर्ज किया मामला
- लिंगायत के तर्ज पर सारना धर्म को राष्ट्रीय मान्यता की माँग

पारम्परिक हथियार लेकर रेलवे ट्रैक पर मौजूद आदिवासी

आसनसोल स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा में बैठे यात्री

आसनसोल/आद्राः झारखंड दिशोम पार्टी (झादिपा) एवं आदिवासी सेन्गेल अभियान (एएसए) के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को आहुत आंशिक भारत बंद का व्यापक प्रभाव रेल परिचालन पर पड़ा। आंदोलनकारियों के द्वारा रेल रोके जाने के कारण एक ओर जहां यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं रेल व राज्य को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा। पूर्व रेलवे के आसनसोल रेल मंडल में इस आंदोलन का आंशिक असर दिखा, जबकि दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा रेल मंडल के परिचालन व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ा। इससे करीब एक दर्जन ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। वहीं कई ट्रेनों का संक्षिप्त समापन किया गया। जबरन रेल रोके जाने को लेकर आद्रा मंडल प्रशासन ने 15 आंदोलनकारियों व उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है। आद्रा मंडल प्रशासन ने बताया कि मधुकुण्डा, इन्द्रबिल एवं काँटाडीह स्टेशनों पर सुबह 6 बजे आंदोलनकारी नारा लगाते हुए आए। बैनर एवं प्लेकार्ड दिखाते हुए रेलवे परिसर में प्रवेश किया तथा रेलवे ट्रैक पर धरना देकर बैठ गए। उनके आंदोलन का मूल से लगातार बातचीत एवं अथक प्रयास करने के बाद मधुकुण्डा में दोपहर के 12 बजे, इन्द्रबिल में 12.45 बजे और कांटाडीह में 14.30 बजे आन्दोलनकारियों ने धरना समाप्त किया। आंदोलनकारियों ने न केवल ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारियों को बाधा पहुंचाई, बल्कि उपद्रव करके और रेलवे ट्रैक पर धरना देकर रेल परिचालन को भी अवरूद्ध किया, इससे सभी वर्ग को काफी परेशानी हुई। रेलवे एवं राष्ट्र को राजस्व की भारी हानि हुई। आसनसोल स्टेशन पर भारी संख्या में यात्रियों को ट्रेनों का इंतजार करते देखा गया।

क्या है आंदोलनकारियों की 10 सूत्रीय माँगों में

10 सूत्रीय माँगों के समर्थन में यह आंदोलन हुआ। इसमें लिंगायत की तर्ज पर आदिवासियों के सारना धर्म को अविलंब मान्यता देने, जनगणना में पृथक कॉलम कोड नंबर देने, आदिवासियों को जबरन एसटी में शामिल कराने की साजिश बंद करना, भूमि-अधीग्रहण कानून में बदलाव, को एसटी की सूची में शामिल करने, अनुसूचित व टीएसी को सटीक रूप से लागू करना, एससी-एसटी एक्ट में बदलाव का विरोध, पीईएसए एक्ट, वनाधिकार कानून को पूर्ण रूप से लागू करने, इवीएम के बदले बैलेट पेपर से चुनाव करवाने आदि माँग शामिल है।

रद्द ट्रेनों के नाम, आज भी रहेंगी रद्द

आन्दोलन के कारण ट्रेन संख्या 63598 (आसनसोल-राँची पैसेंजर), 68065 (आद्रा-आसनसोल पैसेंजर), 68064 (आसनसोल-आद्रा पैसेंजर), 63592 (आसनसोल-बोकारो पैसेंजर), 63591(बोकारो-आसनसोल पैसेंजर), 68055 (आसनसोल-टाटा पैसेंजर), 68067 (आद्रा-आसनसोल पैसेंजर), 68089/68090 (आद्रा-मिदनापुर-आद्रा पैसेंजर), 18183 (टाटा-दानापुर एक्सप्रेस) एवं 58025 (खड़गपुर-हटिया पैसेंजर) ट्रेनों का परिचालन रद्द हुआ तथा इस आन्दोलन के प्रभाव के कारण 22 मई को भी यह ट्रेनें रद्द रहेंगे। वहीं 18606 अप जयनगर-राँची

मार्ग परिवर्तित कर चलाई गई कई ट्रेनें

रेल रोको आंदोलन के फलस्वरूप 4 ट्रेनों को मार्ग परिवर्तन कर चलाया गया, जिसमें ट्रेन संख्या 20818 नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस भी शामिल थी। कई ट्रेनों को सेक्शन में काफी देर तक रोककर कर रखना पड़ा और विलम्ब से चलाया गया। वहीं 15906 डाउन डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस को दुर्गापुर में साढ़े 8 घंटे तथा 18184 दानापुर-टाटानगर एक्सप्रेस को आसनसोल में नियंत्रित किया गया। मेमू ट्रेनों का परिचालन भी बाधित हुआ।

7 ट्रेनों को किया गया शॉर्ट टर्मिनेट, 1 पुनर्निर्धारित

कुल 7 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया, जिसमें ट्रेन संख्या 58163 (गरबेता-राँची), 68087 (विष्णुपुर-धनबाद), 58017 (खड़गपुर-आसनसोल), 58662 (हटिया-टाटा), 68083 (विष्णुपुर-आद्रा) प्रमुख है। जबकि ट्रेन संख्या 22605 पुरुलिया-विल्लुपरम

क्या कहते हैं आद्रा के डीआरएम

आद्रा डीआरएम शरद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेल रोको आन्दोलन को अंजाम देने के आरोप में 15 आन्दोलनकारियों एवं उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दायर किया गया है। इस मामले को रेलवे प्रशासन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है, क्योंकि ऐसे आन्दोलनों से जनता या रेलवे या राष्ट्र को कोई लाभ नहीं होता, बल्कि इससे सरकारी कर्मचारियों और जनता को काफी परेशानी उठानी पड़ती है और सरकार का भारी नुकसान होता है।

चूंकि इस संबंध में पहले से गोपनीय सूचना मिल गई थी, इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए और आन्दोलन के दौरान किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए एवं शीघ्र समाप्त करने के लिए पुरुलिया की जिला पुलिस के साथ-साथ जीआरपी एवं रेल सुरक्षा बल के जवान इन तीनों रेलवे स्टेशनों पर तैनात किये गये थे। रेलवे का काम बाधित होता है तथा छवी धूमिल होती है और मंडल

ोको आंदोलन से राजधानी सहित कई ट्रेनें देर से

ादिवासियों के रेल अवरोध के कारण अपनी जान
ार रेलवे लाइन पार कर ट्रेन पर चढ़ते लोग

पुरुलिया के मधु कुंदा में रेलवे पटरी पर चल कर रेल अवरोध करते लोग

पुरुलिया के मधु कुंदा में रेल रोको अभियान के

ासी संगेल
दिसम पार्टी
में झारखंड
2017 एवं
को हटाने
12 घण्टा
न चलाया
र राजधानी
। इससे रेल
ानियों का
रेल रोको
ा, बैद्यनाथ
नेतृत्व में
र रेल रोको

आदिवासी
खंड दिसम
णी बेसरा ने
ना धर्म को
ी भाषा को
-पठन चालू
चालू करना
कांग्रेस और
जाति को

एसटी में शामिल कर रहे हैं, उसे रोकना होगा। झारखंड भूमि अधिग्रहण कानून 2017 एवं धर्मान्तरण कानून को बंद करना होगा। उक्त कानूनों से आदिवासी मूल निवासी की जमीन की बलपूर्वक लूट का रास्ता साफ हो गया है। इसके अनुसार जमीन अधिग्रहण के लिए उसके मालिक के अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

बहुफसली जमीन को भी अधिग्रहण किया जा सकेगा लेकिन इसके दुष्परिणाम पर कोई विचार नहीं होगा। इसकी सुनवाई अदालत में भी नहीं होगी। इसके अलावे सीएनटी/एसपीटी की जरूरत नहीं होगी एवं इससे भूमि अधिग्रहण संशोधनी कानून 2013 की मूल सुरक्षा भावना कानून भी शेष कर दिया गया है। यह झारखंड तथा भारत के आदिवासियों के लिए मृत्यु के कुंए के समान है। अभी समाजा के सामने करो या मरो की स्थिति है। अगर ऐसा नहीं करेंगे तो आदिवासियों का आस्तित्व खतरे में होगा।

10 सूत्री मांगों के समर्थन में आंदोलन के माध्यम से सोमवार सुबह 6 से 12 बजे तक पानमनी बेसरा के नेतृत्व में मधुकूण्डा स्टेशन में रेल रोको अभियान चलाया गया जबकि सनत बेसरा के नेतृत्व में

- लोगों को करना पड़ा भारी परेशानियां का सामना

कांटाडीह स्टेशन में सुबह 6 से 1 बजे तक तथा बैद्यनाथ हांसदा, इन्द्रबिल रेलवे स्टेशन में 7 से 1 बजे तक रेल रोका अभियान चलाया गया। इससे कई राजधानी सहित अन्य ट्रेनें खड़ी रही। हालांकि 1 बजे तक सभी स्टेशनों से रेल रोको अभियान हटा लिया गया था।

रेल रोको आन्दोलन से यात्रियों को हुई भारी परेशानी, रद्द हुई कई ट्रेनें

आद्रा : आद्रा रेल मंडल के मधुकुण्डा, इन्द्रबिल एवं कांटाडीह स्टेशन में सोमवार को झारखण्ड दिशोम पार्टी और आदिवासी सेन्गेल अभियान के समर्थकों द्वारा की गई रेल रोको आन्दोलन से रेल, राज्य एवं यात्रियों को भारी नुकसान हुआ। झारखण्ड दिशोम पार्टी और आदिवासी सेन्गेल अभियान के समर्थक सुबह 6 बजे जबरदस्ती कांटाडीह, मधुकुण्डा और इन्द्रबिल स्टेशन पर नारा लगाते हुए आए और बैनर एवं प्लेकार्ड दिखाते हुए रेलवे परिसर में प्रवेश कर रेलवे ट्रैक पर धरना देकर बैठ गए।

रेल रोको आंदोलन के मुद्दे पर डीआरएम ने कहा

मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चूंकि इस संबंध में पहले से गोपनीय सूचना मिल गई थी, इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए और आन्दोलन के दौरान किसी अप्रिय घटना से बचने व उसे शीघ्र समाप्त करने के लिए पुरुलिया की जिला पुलिस के साथ-साथ जीआरपी एवं रेल सुरक्षा बल के जवान इन तीनों रेलवे स्टेशनों पर तैनात किये गये थे।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन से लगातार बातचीत एवं अथक प्रयास करने के बाद मधुकुण्डा में दोपहर के 12 बजे, इन्द्रबिल में 12.45 बजे और कांटाडीह में 14.30 बजे आन्दोलनकारियों ने धरना समाप्त किया। आंदोलन कारियों ने न केवल ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारियों को बाधा पहुंचाई बल्कि उपद्रव करके और रेलवे ट्रैक पर धरना देकर रेल परिचालन को भी अवरूद्ध किया जिससे बहुत से जरूरतमंद रेलयात्रियों को अपनी वांछित ट्रेन नहीं मिली। बहुत से लोग कार्य पर नहीं जा सके।

आंदोलन के कारण सोमवार व मंगलवार के लिए रद्द हुई ट्रेनें

मंडल रेल प्रबंधक शरद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस रेल रोको आन्दोलन के कारण ट्रेन संख्या 63598(आसनसोल-रांची पैसेंजर), 68065(आद्रा-आसनसोल पैसेंजर), 68064(आसनसोल-आद्रा पैसेंजर), 63592 (आसनसोल-बोकारो पैसेंजर), 63591 (बोकारो-आसनसोल पैसेंजर), 68055 (आसनसोल-टाटा पैसेंजर), 68067 (आद्रा-आसनसोल पैसेंजर), 68089/68090 (आद्रा-मिदनापुर-आद्रा पैसेंजर), 18183 (टाटा-दानापुर एक्सप्रेस) एवं 58025 (खड़गपुर-हटिया पैसेंजर) ट्रेनों का परिचालन रद्द हुआ तथा इस आन्दोलन के प्रभाव के कारण मंगलवार को भी यह ट्रेनें रद्द रहेंगी।

4 ट्रेनों का किया गया मार्ग परिवर्तन

इसके अलावा 4 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन कर चलाया गया जिसमें ट्रेन संख्या 20818 नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस भी शामिल थी। उन्होंने बताया कि कई ट्रेनों को सेक्शन में काफी देर तक रोककर

कर रखा
चलाया ग
टर्मिनेट कि
5816
68087
58017(
5866
68083(
जबकि
पुरुलिया-
13 घंटे 25
15

उन्होंने
आन्दोलन
में 15 आ
समर्थकों
किया गया
मामले को
गंभीरता से
इस प्रकार
राष्ट्र को नु
को परेशा
पड़ता है।